एमएसएमई को कर्ज देने के आधार में हो रहा है बदलाव

- नई क्रेडिट लाइन पर जल्द शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट
- छोटे और मध्यम उद्यमों को 10% अधिक कर्ज देने का लक्ष्य

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जुलाई में पेश बजट में एमएसएमई को कर्ज देने के लिए नई क्रेडिट लाइन बनाने का एलान हुआ था। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागाराजू ने बताया कि बैंक इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। जल्द इसे लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने एमएसएमई को चालू वित्त वर्ष में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक कर्ज देने का लक्ष्य रखा है और इस हिसाब से एमएसएमई को इस साल 27.5 लाख करोड़ के कर्ज दिए जा सकते हैं।

वर्तमान में एमएसएमई को उनके कारोबार के टर्नओवर या फिर उनकी संपदा के आधार पर कर्ज दिया जाता है। लेकिन नई क्रेडिट लाइन के तहत उनके रोजाना की कमाई और लेनदेन को भी कर्ज का आधार बनाया जा सकता है। एसबीआइ और अन्य बैंक नई क्रेडिट लाइन तैयार करने के लिए साफ्टवेयर डेवलपर्स कंपनियों की मदद ले रही है। सूत्रों के मुताबिक नई क्रेडिट लाइन के तहत एमएसएमई का डिजिटल डाटा एकत्रित किया जाएगा। इसका फायदा मुख्य रूप से सूक्ष्म उद्यमियों को मिलेगा, जो अभी मुख्यधारा में नहीं है। जिनका कोई सिबिल स्कोर नहीं है या जिनका बैंकों के साथ पहले से कोई लेनदेन नहीं चल रहा है, वैसे छोटे उद्यमी भी नई क्रेडिट लाइन के तहत आसानी से कर्ज ले सकेंगे।